राज
कॉमिक्स
खूनी
खिलौने
सुपर कमांडो
ध्रुव

खूनी खिलौने

सुपर कमांडो ध्रुव

कथा एवं चित्र : अनुपम सिन्हा

संपादन : मनीष चंद्र गुप्त

© RAJA POCKET BOOKS

अधिकतर अपराधों की शुरुआत रात के अंधेरे से ही शुरू होती है।
क्योंकि रात में सोने वाले बहुत ज्यादा होते हैं और जागने वाले कम।
कर्नल वर्मा का घर यही है, राहु!
इसके अंदर घुसना तो बाएं हाथ का खेल है, केतु।
और कुछ ही देर बाद - मकान के अंदर के अंधकार में दो जोड़ी आंखें कोई खास चीज ढूंढ रही थीं।
हमारी इंफार्मेशन के मुताबिक, इसको ड्राइंग-रूम में ही रखा होना चाहिए।
यह रही!
वेरी गुड!
काम बहुत आराम से हो गया।
अब यहां से फटाफट बाहर निकलो—
तभी कमरे की बत्तियां जल उठीं।
रुक जाओ!
अब अगर एक इंच भी हिले,—
—तो मैं गोली चला दूंगा।
लेकिन कर्नल वर्मा की इस धमकी का राहु-केतु पर कोई असर नहीं पड़ा।
आओ, केतु! अब यहां पर और देर रुकने से कर्नल साहब की नींद खराब होगी।
अपनी चेतावनी का असर न होता देखकर कर्नल वर्मा की उंगली ट्रिगर पर दब गई।
लेकिन नतीजा कुछ नहीं निकला।
धांय
धांय
अरे! ये दोनों बुलेट प्रूफ पोशाक पहने हुए हैं।
राहु, किसी ने गोलियों की आवाज सुन ली तो गड़बड़ हो सकती है। इसको चुप कराना होगा।

तो मैं इसको अभी चुप करा देता हूं।
राहु का हाथ हवा में घूमा।
और हवा में उड़ती एक 'फ्लाइंग डिस्क'...
...पहले कर्नल वर्मा के हाथ से टकराई, और फिर सिर से।
बेहोश होने से पहले कर्नल वर्मा सिर्फ इतना समझ पाए-
-कि यह फ्लाईंग डिस्क प्लास्टिक की नहीं, बल्कि लोहे की है।
लेकिन राहु केतु का भाग्य पूरी तरह से उन के साथ नहीं था।
क्योंकि रात के सन्नाटे में आवाज़ें बहुत दूर तक जाती हैं।
ये गोलियों की आवाज़ें शायद उस मकान से आई हैं।
अब मेरा शक पक्का हो गया है।
उस घर से दो आदमी बाहर निकल रहे हैं।
इस नाटक को तो मैं यहीं पर खत्म कर देता हूं।
राहु केतु अपनी गाड़ी की तरफ लपके।
पर उनको बीच में ही रुक जाना पड़ा।
ढक
धुक
तुम जैसे गुंडे, मेरे शहर में अगर छींकते भी हैं, तो मुझे पता चल जाता है।

फायरप्रूफ फाइबर की पोशाक पहने शत्रु के लिए आग की दीवार को पार करना कोई समस्या नहीं थी।
लेकिन ध्रुव की पोशाक फायरप्रूफ नहीं थी।...
...वह शत्रु केवल भागते देखने के अलावा कुछ नहीं कर सकता था।
सिवाय छानबीन के।
...चोरी तो हुई है, ध्रुव! लेकिन सिर्फ एक चीज की। तुम्हारी मूर्ति की!
मेरी मूर्ति की?
हां। वही जिसको मेरे बेटे ने पिछले हफ्ते निशानेबाजी प्रतियोगिता में जीता था।
ओह। अब मुझे याद आया। उस निशानेबाजी प्रतियोगिता में चार प्रथम पुरस्कार थे। मेरी खास तौर पर बनाई गई चार मूर्तियां।
और उनको अलग-अलग निशानेबाजी प्रतियोगिताओं में चार बच्चों ने जीता था।
पर उन मूर्तियों में चुराने लायक तो कोई खासियत नहीं थी।
कुछ तो होगी ही, ध्रुव।
ये मामूली चोर नहीं थे, कर्नल। बुलेटप्रूफ और फायरप्रूफ सूट पहनकर कोई मामूली मूर्ति चुराने नहीं आता।
आखिर यह चक्कर क्या है?
सिर चकरा देने वाला चक्कर है, ध्रुव।
इंस्पेक्टर!
तुम्हारा मैसेज मिलते ही हम चल पड़े थे, ध्रुव। और देखो, यहां से थोड़ी दूर पर हमको क्या मिला! तुम्हारी मूर्ति के चिथड़े!
क्या?
इतनी मेहनत सिर्फ मूर्ति के चिथड़े करने के लिए?

लगता है कि किसी पागल अपराधी को तुम्हारी मूर्ति तक से चिढ़ हो गई है, ध्रुव!
नहीं, इंस्पेक्टर! मामला कुछ और ही है।
कोई गहरा और खतरनाक मामला!
ध्रुव का आभास कभी गलत नहीं होता था।
क्योंकि इसी वक्त - राजनगर तट से कुछ कि. मी. दूर स्थित 'सींग द्वीप' में स्थित अधिक आमका जेल में। यहां पर देश के सिर्फ सबसे खतरनाक कैदियों को रखा जाता था—
हमने चारों मूर्तियों का पता लगा लिया है, वामन!
राहू-केतु एक मूर्ति उड़ाने में कामयाब भी हो गए हैं! लेकिन...
लेकिन क्या?
लेकिन बदकिस्मती से उनकी मुठभेड़ ध्रुव से हो गई।... पर चिंता की कोई बात नहीं है।
वे ध्रुव से बचकर भाग आए!
तुम अव्वल दर्जे के मूर्ख हो, वकील!
यह काम चुपचाप होना चाहिए था।
अब बाकी तीन मूर्तियों को उड़ाना इतना आसान नहीं होगा।
क्योंकि अब ध्रुव उन मूर्तियों के बारे में जान गया है।
मुझे अब किसी न किसी तरह से इस जेल से निकलना होगा।
आज इस जेल में एक नया कैदी आ रहा है! प्रो. काले उर्फ ध्वानिराज!
वेरी गुड! नया कैदी आने पर अधिकतर गार्डों का ध्यान उसी पर लगा रहता है।
यहां से फूटने का सबसे अच्छा मौका आज ही है!
और शाम को - एक पुलिस बोट सींग द्वीप की तरफ बढ़ रही थी।
काले का इंटरव्यू तो हो गया, चंडिका! अब जेल की कुछ फोटो खींचने के बाद मेरा आर्टिकल पूरा हो जाएगा।
और काले को सुरक्षित जेल पहुंचा देने के बाद मेरी ड्यूटी भी खत्म हो जाएगी।

और कुछ देर बाद-
यह किसका सेल है, इंस्पेक्टर? इसमें तो खिलौने ही खिलौने भरे हैं!
यह वामन का सेल है। इस जेल का सबसे बुद्धिमान और खूंखार कैदी! वह रहा।
इसको जब तक खिलौने न दिए जाएं, तब तक यह हंगामा करता ही रहता है।
खिलौनों से इसको इतना लगाव है कि यह अपने सारे अपराध भी खिलौनों से ही करता है।
लगता है कि उम्र के साथ-साथ कद न बढ़ने के कारण इसका खेलने का शौक अभी खत्म नहीं हुआ है। हा हा हा हा!
हंस लो, मूर्खो, हंस लो! अभी वामन का खेल शुरू होने में कुछ मिनट बाकी हैं।
कुछ मिनटों बाद वामन रिहा हो जाएगा,...
-और मेरे ये खिलौने ही मेरी रिहाई का फरमान बनेंगे।...
...क्योंकि अब ये खिलौने, मामूली खिलौने नहीं रहे!
मैंने इनको उन घातक हथियारों में बदल दिया है,...
जो मेरे रास्ते में आने वाले हर शख्स को मौत की नींद सुला देंगे!
रास्ता साफ है, और अब वामन का खेल शुरू होता है!
चल मेरे यो-यो! दिखा दे अपने कमाल को।
हवा में उड़ता हुआ 'यो-यो' गार्ड की गर्दन पर आ लिपटा।
और एक झटके से गार्ड का शरीर पीछे खिंचने लगा।

मेरा भी काम पूरा हो गया है।
अब हमको यहां से चलना चाहिए।
तभी-
घर्रर्रर्रन
ओ माई गॉड!
यह तो इमर्जेंसी अलार्म है!!
मामला इमर्जेंसी वाला ही था।
रुक जाओ, वामन। और अपने सेल में वापस लौट जाओ। वर्ना हमको गोली चलाने पर मजबूर होना पड़ेगा।
मेरी फौज तुमको इसका मौका नहीं देगी।
इन खिलौनों को तुम फौज कहते हो, वामन?
खिलौनों से खेलते-खेलते तुम्हारा दिमाग सचमुच खराब हो गया है, वामन।
हाहा हाहा हा!
तुम्हारी बत्तीसी तो मैं अभी झाड़ देता हूं, पुलिसिए!
और अगले ही पल—
जेल में तूफान टूट पड़ा।
हे भगवान!
इस खिलौने वाली तोप से तो सचमुच के गोले छूट रहे हैं!!

ये खिलौने वाले सिपाही भी असली 'माइक्रो बुलेट' दाग रहे हैं।
और ये हवाई जहाज, कंचे जितने बड़े असली बम गिरा रहे हैं।
आश्चर्यचकित सुरक्षाकर्मियों को अपने बचाव तक का मौका नहीं मिला।
भड़ाक
धाड़
चंडिका और नताशा के घटनास्थल पर पहुंचने तक मैदान साफ हो चुका था।
यह तो वही है, चंडिका!
खिलौने वाला बौना!
तभी—
बचो, नताशा!
ये रोबोट असली लेसर किरणें छोड़ रहा है।
कड़ाक
हाहाहाहा! तुम दोनों अगर यहां पर न आतीं, तो कुछ और दिन जिंदा रह लेतीं।
पर अब मेरी सेना तुमको जिंदा नहीं छोड़ेगी।

ये खिलौने अब हमपर हमला कर रहे हैं, नताशा।
तो करने दो!
तुम टैंकों को संभालो और मैं प्लेनों को संभालती हूं।
गुड!
तोपों से निपटना कोई मुश्किल काम नहीं है।
नताशा ने खुद मुश्किल काम लेकर, मुझे आसान काम दे दिया है।
एक तोप की नली से गोला छूटने को तैयार हुआ, और उसी पल चंडिका का पैर घूमा। गोला एक दूसरे निशाने की ओर बढ़ चला। और –
धड़ाम
एक टैंक तो गया। अब दूसरा –
आह!
टैंक, चंडिका की उम्मीद से कहीं ज्यादा तेज थे।
तड़ाक
ओ माई गॉड!
चंडिका को टैंक ने घायल कर दिया है।
और कुछ ही पलों में मेरा भी यही हाल होने वाला है। क्योंकि ये खिलौने संख्या में बहुत ज्यादा हैं।
इनको ऐसे खत्म कर पाना संभव नहीं – एक मिनट!
यह बौना, इन खिलौनों को अपनी बेल्ट में लगे कंट्रोल से नियंत्रित कर रहा है।
अब मुझे वार करने की सही जगह मिल गई है।

और उसमें से एक लेसर किरण निकल कर नताशा की तरफ बढ़ चली
नताशा का शरीर एक बार फिर हवा में उछला।
कड़ाक

पर कुछ भी हो मैं इसको भागने नहीं दूंगी
और इसपर से फिसल कर वामन
हुआ बाहर निकल गया
इतनी ऊपर से गिरकर तो इस का राम नाम सत हो जाएगा

बाहर झांकते ही चंडिका के चेहरे पर आश्चर्य के भाव उभर आए।
कमाल है। मुझे यह सब देखकर भी यकीन नहीं हो रहा।
क्या हुआ चंडिका?
बाहर देखोगी नताशा तो खुद ही समझ जाओगी।
वाह वाह लड़कियो।
मैंने कहा था न कि वामन हमेशा एक न एक ट्रिक बचाकर रखता है।
देखते ही देखते तेज गति से उड़ता हुआ वामन आंखों से ओझल हो गया।
भाग निकला?
पहले भी मूर्ति की ओर
अगर होता, तो हमें जल्दी ही पता चल जाएगा।
वामन काम तुरंत निपटाने में यकीन करता है।
मक्खनबाजी छोड़ो राहु केतु
काम की बात करो। उस मूर्ति से काम बना था नहीं?
नहीं बना बॉस।

वेरी गुड। एकदम फर्स्ट क्लास मौका है।
छोटा सा गुरिल्ला
लो! भइया भी आ गया।
नहीं मिलते का मतलब?

पार्टी में तो जाना ही पड़ेगा ध्रुव। वर्ना श्यामसुंदर बुरा मान जाएंगे आखिर दुनियादारी भी तो कोई चीज है।
ओ.के. पापा मैं चला जाऊंगा।
एक और पार्टी में शामिल होने के लिए
ध्रुव का ख्याल जल्दी ही गलत साबित होने वाला था।
हैप्पी बर्थडे बेटा
थैंक्यू अंकल
कौन सी श्यामसुंदर जी?
अरे वही मूर्ति जो शानू ने निशानेबाजी प्रतियोगिता में जीती थी
ओ गॉड।
वैसी एक मूर्ति आपके पास भी है?
मेरे नहीं शानू के पास पर...
खतरा आसपास ही है
पर कहां?
एक मिनट
वह बच्चा।
वह बच्चा नहीं है। मुझे उसके हाथ पर बाल दिखाई दे रहे हैं
शायद यह
बौना है।
बौना वामन

जाहा! तुम तो मुझे केक कटने से पहले ही पहचान गए।
और केक कटने से पहले ही मैं तुमको पुलिस के पास भी पहुंचा दूंगा वामन
हाहा मैं ऐसी मुसीबतों से निपटने के लिए ही अपने गुरिल्ले को लेकर आया था
इस खिलौने को?
यह मामूली खिलौना नहीं है कमांडो यह बुलैटप्रूफ रबर का बना खिलौना है।
यह चलता है बोलता है, और पिटाई भी करता है।
और जब इसमें अपने आप हवा भरने लगती है,
तो यह किंगकांग साइज का हो जाता है
हे भगवान!
इसका आकार तो सचमुच बढ़ता ही जा रहा है।
और देखते ही देखते गुरिल्ला का सिर बीस फुट ऊंची छत को छूने लगा।
मेहमानों की भीड़ बदहवास होकर भागने लगी।
चियांयांयां
यह खिलौना तो एक दूसरा आदमी लेकर आया था इस वक्त वह कहीं पर दिखाई भी नहीं पड़ रहा है।
इसका मतलब कि वह जरूर मेरी मूर्ति ढूंढने अंदर गया है। पर इस वक्त उसको पकड़ने से ज्यादा जरूरी इस गोरिल्ले

अगले ही पल ध्रुव का सोचता हुआ दिमाग सोचने लायक नहीं रहा।
आह!
यह तो बहुत फुर्ती से मारता है। मुझे इस की बिल्कुल उम्मीद नहीं थी
ध्रुव के संभल पाने से पहले ही दूसरा वार भी ध्रुव के शरीर से आ टकराया।
ओफ। ऐसा लगता है जैसे मेरे सिर पर पूरी बिल्डिंग आ गिरी हो।
इस दूसरे वार ने ध्रुव को लगभग बेहोशी के कगार पर पहुंचा दिया.
मैं इसका तीसरा वार सह कर अपनी जान निकालने को तैयार नहीं हूं
अगर तुम जिंदा बच गए, तो मेरे आगे के प्लानों में भी अड़ंगा डालोगे।
इसीलिए तुमको मरना होगा सुपर कमांडो ध्रुव
और यह खतरनाक गुरिल्ला मुझे मारने से कोई कसर उठा नहीं रखेगा
इसको तुरत रोकना होगा। और इसको रोकने का पहला कदम इसके कदम उखाड़ना है।
यह एक इलेक्ट्रानिक खिलौना है।
और इसको रोकने का दूसरा कदम इसके सर्किट को खत्म करना है

यह पानी इसके खुले मुंह से अंदर जाकर इसके अंदर के इलेक्ट्रॉनिक पुर्जों को बेकार कर देगा।
और साथ ही साथ, यह विनाशकारी खिलौना भी बेकार
आह!
गुरिल्ले के एक फुर्तीले वार ने इसकी सारी योजना पर पानी फेर दिया।
ओह। अगर यह लड़ाई लंबी खिंच गई, तो शायद ध्रुव मेरे खिलौने पर काबू पा लेगा। अब मुझे इस पर जल्दी से जल्दी काबू करना पड़ेगा
अगर मैं इसकी बेल्ट तक पहुंच सकूं, तो -
ध्रुव का ध्यान पलभर के लिए गुरिल्ले पर से हटा।
और यह गलती उसको बहुत महंगी पड़ी,
अच्छा, तो वामन इस गुरिल्ले को अपनी रिमोट कंट्रोल बेल्ट से चला रहा है।
एक विशालकाय पंजे ने ध्रुव के शरीर को अपने शिकंजे में कस लिया।

फिर शिकवा तेज़ी से ध्रुव पर कसने लगा। पर ध्रुव बिना लड़े हार मानने वालों में से नहीं था
आऽऽ
लेकिन यह लड़ाई बेकार थी।
क्योंकि गुरिल्ला बुलेटप्रूफ धातु का बना था।
हाहाहा लड़ो ध्रुव। और लड़ो
पर तुम्हारे किसी भी वार का इस पर कोई असर नहीं होगा
क्योंकि यह ज़िंदा नहीं खिलौना है
बौना सही बोल रहा है आह एक खिलौने की जकड़ तो मुझसे मजबूत होती ही जा रही है।
ऐसे तो यह कुछ ही सेकंडों में मेरी जान निकाल देगा।
और मैं इसकी जान नहीं निकाल सकता
क्योंकि इसमें जान है ही नहीं।
इसमें जान है। यह एक चलता फिरता इलेक्ट्रॉनिक खिलौना है।
और इसकी जान है, बस इसकी बैटरी।
ध्रुव की एक तेज़ ठोकर से बैटरी कंपार्टमेंट के किवाड़ उड़ गए और बैटरी बाहर निकल कर दूर जा गिरी।
ऐसे खिलौने बगैर बैटरी के नहीं चल सकते।
और मैं शर्त लगा कर कह सकता हूँ कि यह इसका 'बैटरी कंपार्टमेंट' है।
बैटरी निकलते ही
ओफ़ इस बार तो लगता था कि मैं अपनी मौत को टाल नहीं पाऊंगा।

पर इतनी देर में वह आदमी मेरी मूर्ति ढूंढ चुका है।
और अब वह उसे लेकर भाग रहा है
पर मैं इसका मामा नहीं हुआ।
शान, इधर!
ओह! इसने मूर्ति वामन की तरफ उछाल दी है और अब वामन उसे लेकर भाग रहा है।
अब मुझे वामन के पीछे जाना होगा।
पर बाहर
वामन तो काफी तेज गति से भाग रहा है
तुम जरा विश्राम करो, मेहमानजी
तब तक मैं तुम्हारे बास को भी ले आता हूं।

लेकिन मैं भी इसका अभी इंतजाम कर देता हूं।
करतब दिखा सकता था।
मोटरसाइकल चला पाना इसके भी बूते से बाहर की बात थी।
और फिर
में दिमाग लगा है या कंप्यूटर
अब तो यह और तेज़ी से मेरे पीछे आ रहा है।

मैंने खुद ही अपने पैरों पर कुल्हाड़ी
आह!
अब खूनी भी मेरे पास है वामन
और तुम भी।
लेकिन सिर्फ कुछ सेकंडो के लिए, कमांडो।
और यह कंगारू की तरह उछल उछल कर आगे जा रहा है।
मुझको पकड़ने से ज्यादा आसान लोहे के चने चबाना है, ध्रुव।
ठक
अरे! अब इसके रोलर स्केट्स में स्प्रिंग निकल आए॥
जहा सड़क के किनारे रखे कोलतार के ड्रमों मे से एक ड्रम सड़क पर आ गिरा था।

नहीं पाया
कोलतार ?
और मेरी इसमें फंस गई है।
कोलतार बड़ी अजीब चीज है गमन।
अगर एक बार किसी को पकड़ लेता है, तो बगैर काम किए नहीं छोड़ता
चंद्रिका
चंद्रिका तुम यहां पर कैसे ?
मैं ध्रुव की खोज में निकली थी, ध्रुव।
किस्मत से यह मुझे यहीं पर मिल गया
तो इसको जेल से भागने देने के लिए मैं अपने आप को दोषी मान रही थी
अरे तुम दोनों तो ऐसे बात कर रहे हो जैसे तुमने मुझे पकड़ लिया है
पर लगी
तो तुम समझते हो कि तुम हम दोनों से बचकर भाग सकते हो ?
गमन हमेशा एक न एक ट्रिक बचाकर रखता है।
कमाई
इनको वापस लेने जरूर आऊंगा

अब हम इसको नहीं पकड़ पाएंगे, चंद्रिका
लेकिन अब एक बात तो स्पष्ट हो गई है, कि वामन का मुख्य मकसद मूर्तियों को चुराना है पर क्यों ?
इस सवाल का जवाब पुलिस के पास भी नहीं था।
रायबहादुर जी का फोन आते ही हम यहां पहुंच गए थे, पर वह अंजान आदमी तब तक यहां से भाग चुका था।
यह तो उसी से पता चल सकता था कि वामन और मूर्तियों में क्या संबंध है।
वामन किस जुर्म में जेल गया था, इंस्पेक्टर ?
रक्षा मंत्रालय के 'मेन कम्प्यूटर सेंटर' से एक गुप्त फाइल चुराने के आरोप में।
चोरी तो उसने बखूबी की थी। लेकिन गलती से एक अलार्म बज जाने से सुरक्षाकर्मी सतर्क हो गए।
वामन वहां से भागा। पर सुरक्षाकर्मियों ने उसका पीछा नहीं छोड़ा। वामन भाग कर एक खिलौना फैक्ट्री में छुप गया
उस समय तक पूरा एरिया सील किया जा चुका था। आखिरकार वामन को उस फैक्ट्री से पकड़ कर उस फाइल को बरामद कर लिया गया। और वामन को 'नारका जेल' भेज दिया गया।
उस फैक्ट्री का क्या नाम था ?
ओह तो यह बात है।
आ रहा है

क्या हुआ इन्स्पेक्टर?
और फिर
तो तुम लोग तुरंत निकल जाओ, वक्त बहुत कम है

पीटर और करीम के जाने के बाद ध्रुव, नताशा और चंडिका की तरफ मुड़ा।
चार मूर्तियां थी से दो मूर्तियां वामन पहले ही ले जा चुका है। अब दो मूर्तियां ही बची हैं।
जिनमें से एक उद्योगपति पुरिया के पास है, और दूसरी मूर्ति श्वेता के पास।
अब हमको यह नहीं पता कि वामन कहां पर पहले हमला करेगा
बौना वामन, ध्रुव से पहले ही अपनी योजना पर काम शुरू कर चुका था
कैसी खराब किस्मत है
अब पहले पुरिया के पास वाली मूर्ति को उठाना ही ठीक होगा।
पुरिया की किस्मत अच्छी थी, क्योंकि इस वक्त वह अपने पूरे परिवार के साथ हिल स्टेशन पर गया हुआ था।
पर उसका बंगला खाली नहीं था।
कोई ट्रक इधर आ रहा है।

य पर ट्रक तो खाली है। इसको कोई चला ही नहीं रहा है। — और - यह रुक नहीं रहा है। —
यह टक्कर मारने आ रहा है।
धड़ाक
ये क्या हो रहा है?
ट्रक खाली नहीं था।
य यह क्या है।
इसपर गोलियां चलाओ।

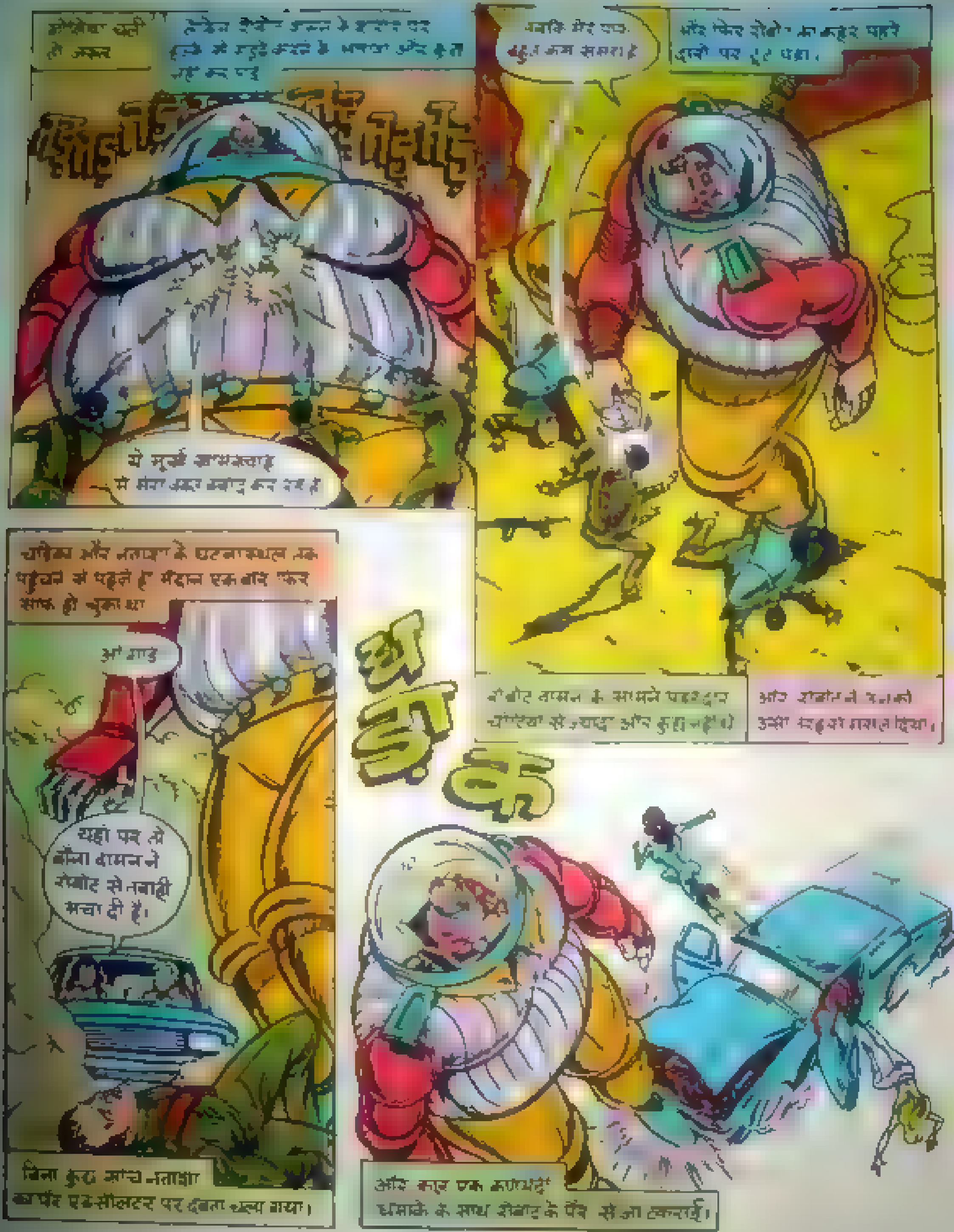
चोंगा और नताशा के घटनास्थल तक पहुंचने से पहले ही मैदान एक बार फिर साफ हो चुका था
यहां पर तो बौना वामन ने रोबोट से तबाही मचा दी है।
और कार एक जोरदार धमाके के साथ रोबोट के पैर से जा टकराई।

यह तो हिला तक नहीं चंडिका! अब हम इसको कैसे रोकेंगे?
घबराओ मत नताशा। मूर्ति लेने के लिए इसको मकान के अंदर जाना होगा और उसके लिए वामन को रोबोट से बाहर निकलना होगा
हम इसके बाहर निकलने का इन्तजार करेंगे
पर वामन को बाहर निकलने की कोई जरूरत नहीं थी।
रोबोट के एक जोरदार वार से ही पूरी दीवार नीचे आ गिरी।
मुझे मालूम है कि मूर्ति किस कमरे में रखी है।
और वहां तक पहुंचने के लिए मुझे सिर्फ तीन दीवारें तोड़नी पड़ेंगी।
चंडिका, हमको स्पेशल पुलिस फोर्स को बुलाना चाहिए
फोर्स इसका कुछ नहीं बिगाड़ पाएगी। अब हमको ही कुछ करना होगा
पर क्या?
हमको इसके कंट्रोल पेनल तक पहुंचना होगा।
पर वह तो बहुत ऊंचा है
तो हमको इसे नीचे लाना होगा।
और उसके लिए इस रोबोट को गिराना होगा
नताशा, जल्दी से सारी गोलियां निकालो

कारतूस जमीन पर इधर से उधर लुढ़क रहे थे।
यह शीशा बुलेटप्रूफ है
पर इससे पहले कि चंडिका अपना काम पूरा कर पाती
और साथ ही चंडिका का शरीर भी हवा में उठने लगा।

मैं समझ गई नागराज।

चंद्रिका का ख्याल सही था, रोबोट अब फिर उठने लायक नहीं रह गया था।
अब तुम मुझे यह भी बता दो कि धूल की मूर्तियां तुम क्यों चुराना चाहते थे?
मैं आत्महत्या के मूड में नहीं हूं अगर इसमें बम होगा, तो इसे खोलते ही तुम्हारे साथ साथ मेरे भी चिथड़े उड़ जाएंगे।
इसमें छिपा इन मूर्तियों का रहस्य बंद है।

पर मामूद पुलिस वाल
से ज्यादा सतर्क था।

और मैं आराम से खिसक
है। कौन?
इस पुलिस वाले को शायद यह नहीं बताया गया है कि मकड़ा मास्टर चूंग, वेष बदलने में माहिर है।
कुछ ही मिनटों बाद चूंग अपनी कार को स्टार्ट कर रहा था।
क... कौन
ऐसी किस्मत तो दुश्मन को भी न हो

ए पर यह तो ध्रुव के घर से है बॉस।
मैं जानता हूं। इस मूर्ति को वहां से लाना शायद दुनिया का सबसे मुश्किल काम है
पर इन दोनों बच्चों को मैं इसीलिए यहां पर लाया हूं
ताकि जरूरत पड़ने पर मैं इनको खत्म करने की धमकी देकर, ध्रुव को खामोश कर सकूं
इस मूर्ति में एक ऐसी माइक्रो कंप्यूटर चिप्स है, जिसमें भारत सरकार के कई गुप्त रहस्य बंद हैं
मेरे कंप्यूटर सेंटर में चोरी करने का मुख्य मकसद इस 'माइक्रो चिप्स' को चुराना ही था। पर पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए, चलते चलते मैंने एक फाइल भी उठा ली थी।
पर तभी अलार्म बज गया, और मुझे तेजी से भागना पड़ा। भाग कर मैं 'राज टॉय फैक्ट्री' में घुस गया।
पर इससे पहले कि मैं मूर्ति पर कोई निशान लगा पाता
दरवाजा टूट गया।

और मुझे पकड़कर नारका जेल भेज दिया गया।
उस माइक्रो चिप्स को बेचने के लिए मेरी दो विदेशी सरकारों से सौदेबाजी चल रही है
और इन दोनों ही देशों के जासूस माइक्रो चिप्स पर बोली लगाने के लिए राजनगर में आ चुके हैं
वे यहां पर ज्यादा समय तक नहीं रुक सकते हैं
इसलिए वह मूर्ति मुझे जल्दी से जल्दी हासिल करनी है।
दूसरी तरफ - ध्रुव के लिए बुरी खबरों का अंबार लगता जा रहा था।
क्या?
पुरिया के घर से मूर्ति के साथ साथ नताशा और एरिका भी गायब हैं?
हाँ ध्रुव
अब हमको यह नहीं पता कि वे वामन का पीछा कर रही हैं या वामन उनको बंधक बनाकर ले गया है
और दूसरी बुरी खबर क्या है?
मामूद और दुगा पुलिस को चकमा देकर भाग निकले हैं
इस वक्त वे कहां पर हैं, यह कोई नहीं जानता
मामूद और दुगा मौजूद थे सुरक्षित जगह पर
कमांडो फोर्स के हेडक्वार्टर में।
आराम से बैठो दुगा हमारा काम अभी नहीं शुरू होना
वैसे भी अब सिर्फ एक घंटे की बात और है।
उसके बाद हमको रीगल बार पहुंचना है।
जहां से शार्लि नामका आदमी हमको वामन तक ले जाएगा।

दिन ढलता जा रहा था।
और ध्रुव की उलझन भी बढ़ती जा रही थी।
चंडिका और नताशा की अभी तक कोई खबर नहीं आई
और मैं उनकी तलाश में निकल भी नहीं सकता
क्योंकि अब वामन किसी भी वक्त यहां पर आ...
अरे! ये बुलबुले कहां से आ रहे हैं?
ध्रुव ने मुड़कर देखा-
बौना वामन!
मुझे तुम्हारा ही इंतजार था
तुमसे निपटने के लिए तो मेरे बुलबुले ही काफी हैं
हा हा! तो अब तुम मुझे साबुन के बुलबुलों से डराओगे?
पर मुझे यह उम्मीद नहीं थी, कि अपनी मदद के लिए तुम इन पिटे हुए राहु केतु को लेकर आओगे।
इनको तो मैं सिर्फ सावधानी के लिए लाया हूं।
ये साबुन के बुलबुले नहीं हैं, ध्रुव जी।
ये बुलबुले एक खास प्लास्टिक सोल्यूशन के हैं
हवा के सम्पर्क में आने से इनका आकार बढ़ने लगता है।

और फिर इनका आकार इतना बढ़ जाता है कि ये अपने अंदर पूरे एक आदमी को कैद कर लेते हैं।
एक बात और इस बुलबुले को तोड़ना किसी पहलवान के भी बस की बात नहीं है
क्योंकि यह प्लास्टिक बुलेटप्रूफ है।
हम इसमें कभी बाहर नहीं निकल पाओगे
और दूसरी किसी मुसीबत से निपटने के लिए मेरे ये राहू केतू बहुत हैं
वामन सही कह रहा है मैं इस नाजुक से दिखने वाले बुलबुले को तोड़ नहीं पा रहा हूं
और वामन मुसीबत के लिए अंदर आ रहा है
इस बुलेटप्रूफ बुलबुले को तो कोई इससे भी ज्यादा मजबूत चीज ही तोड़ सकती है। और मेरे पास वैसी कोई चीज नहीं ..! आहा।
मिल गई मुझे वह मजबूत चीज मिल गई, जो इस बुलबुले को तोड़ सकती है ...
और वह चीज है,
राहू केतू के बुलेटप्रूफ कवच की बनी पोशाक।
... राहू केतू से जा टकराया।
धड़ाक
ध्रुव ने अपने बदन को मोड़ा ...
... और प्लास्टिक का गोला लुढ़कता हुआ जा पहुंचा ...

अब राहू केतु के पास अपने बचाव के अलावा और कोई रास्ता नहीं बचा था गोला एक बार फिर राहू केतु की तरफ बढ़ा

और ध्रुव आजाद हो गया।
ओह!
धाड़

मेरे घूंसों का वैसे भी इनपर कोई असर नहीं हो रहा है।
आह!

...हेलमेटों से होगी।
ध्रुव का हवा में उड़ता बदन, राहू केतु की हेलमेटों को उतारता हुआ।
जमीन पर आ गिरा।
ध्रुव ने तुरत पलटकर राहू केतु की तरफ देखा, और
नहीं! यह नहीं हो सकता!!
ध्रुव के सामने राहू-केतु नहीं —
बल्कि उसके दो सबसे करीबी दोस्त खड़े हुए थे
नताशा! चंडिका!!
य यह तुम लोग क्या कर रही हो?
होश में आओ!
ये दोनों तो कुछ सुन ही नहीं रही हैं।
इनकी आंखें और इनके चेहरे यह बताने को काफी हैं, कि इस वक्त इन दोनों को वामन ने, सम्मोहित करके अपने वश में कर रखा है
और ऐसी हालत में ये अजाने में, मेरी हत्या भी कर सकती हैं

और मैं इन दोनों पर किसी भी हालत में हाथ नहीं उठा सकती।
बामन ने यह वार मुझपर बहुत सोच समझ कर किया है
मकान के अंदर बामन अपनी मंजिल तक पहुंच चुका था।
मिल गई! मिल गई पर ध्रुव ने इसे बहुत छुपा कर रखा था ढूंढने में काफी टाइम लग गया
बाहर लड़ाई जारी थी और ध्रुव लगभग हार चुका था।
चलो, गुलामो।
अब हमारे पास वक्त नहीं है।

आज बामन, ध्रुव के ही घर से, ध्रुव के करीबी दोस्तों की मदद से चोरी करके भाग रहा था।
और जमीन पर पड़े ध्रुव में इतनी भी ताकत नहीं बची थी कि वह उठकर, भाग रहे बामन को रोकने की कोशिश करता।
क्या ध्रुव नाटक कर रहा था?
लो बामन मूर्ति लेकर भाग गया।
वेरी गुड
अब मुझे बामन के अड्डे का पता चल सकेगा। और साथ में इन मूर्तियों का रहस्य भी
मैंने उस मूर्ति में एक 'माइक्रो ट्रांसमीटर' लगा दिया था, जिसका रिसीवर मेरे पास है।
पिंग पिंग पिंग
अब इन सिग्नलों से मुझे यह पता चलता रहेगा कि मूर्ति कहां पर है।
और जहां पर वह मूर्ति होगी, वहीं पर बामन का अड्डा भी होगा।
और थोड़ी देर बाद ही
मनोरंजन पार्क
पिंग पिंग पिंग पिंग पिंग।
सिग्नल इस 'मनोरंजन पार्क' के अंदर से आ रहे हैं।

किसी ने मुझ पर गोली चलाई है
...अंधेरे में गायब हो गया।
अरे कहाँ चला गया?
अभी अभी तो यहीं पर ही था।

किंतु, इसको इस मुसीबत को जल्दी से जल्दी ठिकाने लगाना है।
अब मैं इसको

तभी एक हल्की सी हरकत ने ध्रुव का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया।
भागा
ध्रुव और भागा पर
अब तुम भागकर
जाओगे कहाँ?

अब या तो तुम ट्रेन से टकराकर अपने चीथड़े उड़वाओगे।
या सैंकड़ों फुट नीचे गिर कर अपनी हड्डियों का चूरा बनवाओगे।
तेज गति से फिसलती ट्रेन ध्रुव से एक फुट की दूरी तक आ गई -
और उसी पल ध्रुव ऊपर उछला
अरे! ट्रेन इसके ऊपर से नहीं, बल्कि ये ट्रेन के ऊपर से निकल गया॥
पर यह बचकर जाएगा कहां? कुछ ही सैकंडों में ट्रेन वापस इस जगह पर आ जाएगी।
लेकिन जब ट्रेन वापस घूमी तो
अरे

अगले ही पल केतु के पैरों के नीचे से ट्रेन निकल गई
अगर तुमने मुझको यह नहीं बताया, कि ... का अड्डा कहां पर है, तो मैं तुमको सचमुच छोड़ दूंगा
नहीं सॉरी सॉरी म, मैं गलत बोल गया मुझे ... छोड़ना मत
तो फिर बताओ मुझको।
म मुझे धमकाओ मत। मेरे एक एक इशारे पर ... और नताशा को ... उतार देगा स समझे?
मुझे उन गद्दारों की जान की कोई परवाह नहीं है। अभी तो तुम सिर्फ अपनी जान की फिक्र करो
य यह क्या है? मैं ऊपर कैसे?
ध्रुव!
छोड़ दो मुझे छोड़ दो!
मुझे यकीन नहीं हो रहा है
यह ध्रुव बोल रहा है?
मैं समझ रहा था कि दोनों लड़कियों को मारने की धमकी देकर मैं ध्रुव से कुछ भी करा सकता हूं।
अब मेरे सामने एक ही रास्ता बचा है,
ध्रुव के साथ साथ केतु को भी खत्म कर देने का।
अपनी मिनी मिसाइल से
वर्ना केतु ध्रुव को इस अड्डे का पता बता देगा

और अगले ही पल -
एक चमकती चीज को अपनी तरफ बढते देख कर केतु बुरी तरह से भयभीत हो गया।
इतना भयभीत, कि न तो उसे नीचे गिरने की चिंता रही
धड़ाक
य यह तो मिनी मिसाईल है।
मुझे छोड़ दो छोड़ दो॥
और हवा में गिरता हुआ केतु का शरीर अंधेरे में गायब हो गया।
हे भगवान! यह तो नीचे गिर गया

बस जैसे ही ट्रेन इसके पास पहुंचेगी
और मिसाइल अपने निशाने से जा टकराई
नज़र आ रही थी।
दिन है

आज बामन के लिए सचमुच सुनहरा दिन था
उसका हर दाव सही पड़ रहा था।
बॉस! मैं दोनों मेहमानों को ले आया हूं।
आहा! मासूद और चुग!
आओ, आओ! मुझे तुम दोनों का ही इंतजार था।
माल कहां पर है, बौना बामन?
यह रही वह 'माइक्रो चिप्स', जिसमें भारत सरकार के कई अत्यंत महत्वपूर्ण रहस्य बंद हैं
और जिसकी नीलामी के लिए मैंने तुम दोनों को यहां पर बुलाया है।
अब मैं 'माइक्रो चिप्स' की नीलामी को शुरू करता हूं।
बोली दस करोड़ से शुरू होगी
चलो, जो ज्यादा बोली लगाएगा माल उसी का हो जाएगा
मेरी बोली दस करोड़।
मेरी बोली भी दस करोड़
तुम दोनों तो एकदम नौसिखिए लगते हो, नीलामी ऐसे नहीं होती है। तुम में से किसी न किसी को तो बढ़कर बोली लगानी ही पड़ेगी।
उनो मैं इस चिप्स को कैसे बेचूंगा?
अब तुम इसे किसी को नहीं बेचोगे, बामन।
ओह। तो तुम यह चिप्स मुझसे जबर्दस्ती छीनना चाहते हो, चुग?
आधा सही आधा गलत।
'जबर्दस्ती' ठीक समझे।
पर चुग गलत समझे गए।
मासूद और चुग हमारे हाथों में हैं बामन और उन दोनों ने सबकुछ उगल दिया है
हम कमांडो फोर्स के कैप्टेन पीटर और करीम हैं
और हम तुमको गिरफ्तार करते हैं

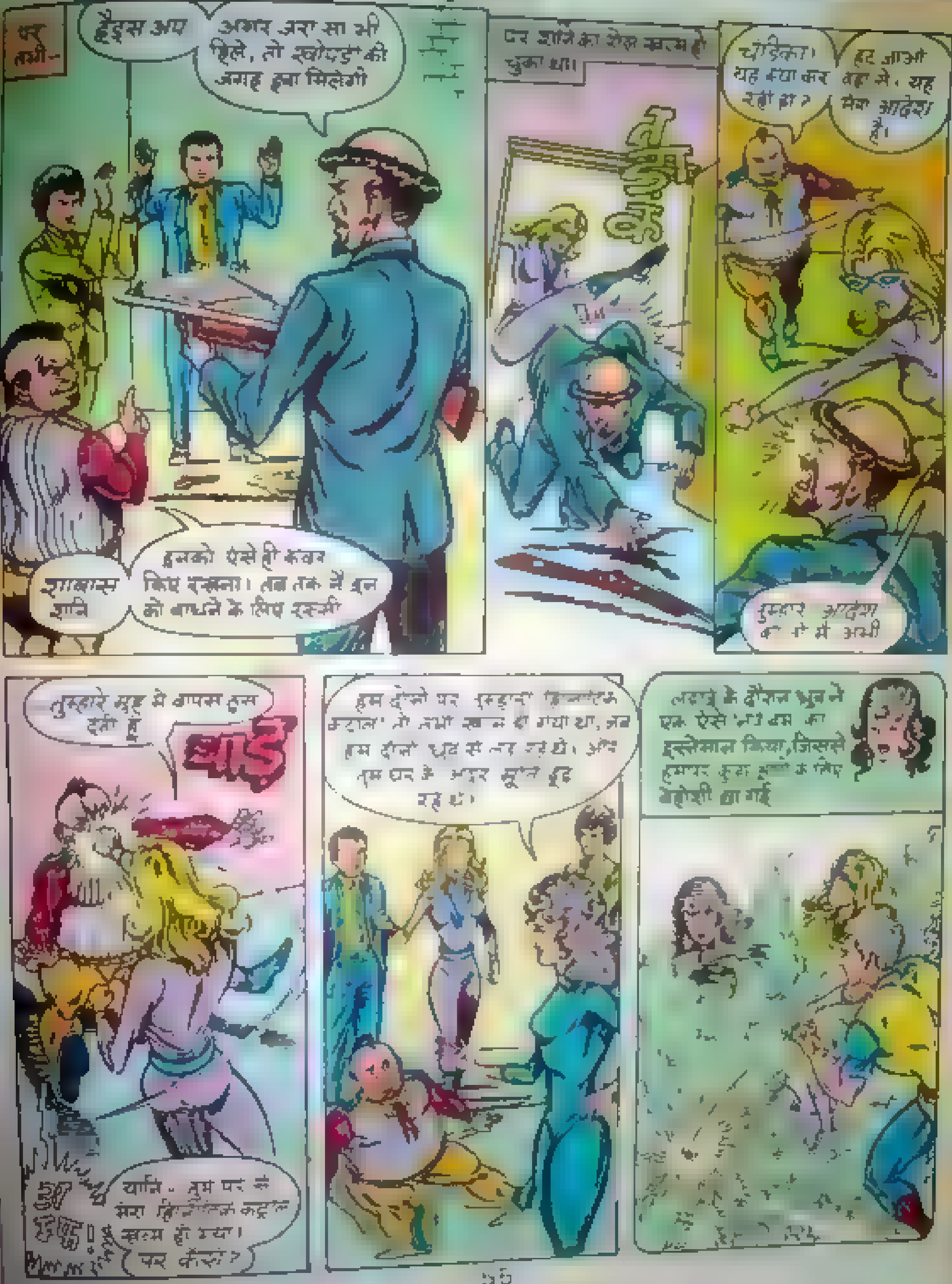
पर तभी–
हैंड्स अप
अगर ज़रा सा भी हिले, तो खोपड़ी की जगह हवा मिलेगी
शाबाश शनि
इनको ऐसे ही कवर किए रखना। तब तक मैं इन को बांधने के लिए रस्सी
पर शनि का खेल ख़त्म हो चुका था।
चंद्रिका! यह क्या कर रही हो?
हट जाओ वहां से, यह मेरा आदेश है।
तुम्हारा आदेश
अभी
तुम्हारे मुंह में वापस ठूंस रही हूं
धाड़
यानि . तुम पर से
मेरा
ख़त्म हो गया!
पर कैसे?
दौरान ध्रुव ने
एक ऐसे
इस्तेमाल किया, जिससे
बेहोशी आ गई

होश में आने पर हमको समझ में नहीं आया कि हम लोग कहां पर हैं और ध्रुव से क्यों लड़ रहे हैं।
पर ध्रुव ने जल्दी से सारी स्थिति हमको समझा दी। और हमने ऐसा नाटक करना शुरू कर दिया, जैसे हम दोनों अब भी तुम्हारे 'हिप्नोटिक कंट्रोल' में हैं।
तो तुम लोग समझ रहे हो, कि तुम लोगों ने मुझे अपने जाल में फंसा लिया है
पर तुम लोग फिर भूल गए, कि वामन हमेशा एक न एक ट्रिक बचाकर रखता है
जैसे यह स्मोक बम।
पलभर में चारों तरफ धुंए के बादल छा गए।
ओफ कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है
अरे मैं करीम हूं, भाई मुझे क्यों पकड़ रहे हो?
अब ये सब काफी देर तक अंदर बंद रहेंगे।
और तब तक मैं यह 'माइक्रो चिप्स' लेकर
यहां से भाग खड़ा होऊंगा।
य यह आवाज!
वामन घूमा
और उसकी सांस और धड़कन उसके सीने में ही रुक गई।
ध्रुव! तु तुम तुम बच गए? प- पर मैंने तो तुम्हारी लाश देखी थी।
हा हा वह मेरी 'लाश' नहीं, बल्कि मेरी वही मूर्ति थी, जो तुमने रोलर कोस्टर पर लटका रखी थी
और जो कैमरे की आंखों से असली जैसी लग रही थी

अरे! यह तो शीशा है!
छनाक
मैं इधर हूं, कमांडो!
यह भी शीशा है!!
यहां आओ! मैं इधर हूं!
...और इधर हूं!
...और इधर भी!
यह शीशे का घर है, सुपर कमांडो! और इसके हर शीशे में मेरी ही परछाई है!
पर असली वामन कहां है, यह तुम कभी नहीं जान पाओगे!

मरते दम तक भी नहीं!
खच
ओह!
यह मुझपर ब्लेड सी तेज धार वाली डिस्को से हमला कर रहा है।
और मैं यह पता नहीं कर पा रहा हूं,
-कि इनमें से असली वामन कौन सा है!
सट
खचाक
खच
यह तो परी कथाओं के जैसा युद्ध लग रहा है!-
...जिसमे मायावी राक्षस एकसाथ दस जगहों पर प्रकट होकर युद्ध करता था।
और इस युद्ध में मायावी राक्षस बौना वामन का पलड़ा धीरे-धीरे भारी होता जा रहा है!
खट
खट
खच
खचाक
क्योंकि यह मुझपर जगह बदल-बदल कर हमला कर रहा है। और मेरे लिए यह पता करना असंभव हो रहा है, कि असली वामन कहां पर है!
ज्यादा खून बहने से मुझपर कमजोरी और बेहोशी छाती जा रही है।
अब तो लगता है कि मौत सिर्फ चंद कदमों की दूरी पर है!

हाहाहा हाहा!
शाबास, कमांडो! कुछ और सैकंडों के लिए ऐसे ही शांत पड़े रहो।
अब की बार, मैं निशाना सीधा तुम्हारे गले पर लगाऊंगा। और तुम्हारी सारी तकलीफों का अंत हो जाएगा।
वामन का हाथ उठा..
..और साथ ही साथ - एक कड़कदार आवाज गूंजी।
वामन! इधर देखो!
वामन घूमा..
..और उसके घूमते ही, सामने खड़ी चंडिका ने, एक झटके से अपने हाथ में पकड़े 'हिप्नोटिक यंत्र' का ढक्कन खोल दिया।
चारों तरफ लगे शीशों में, हिप्नोटिक यंत्र की रंगीन रोशनियां चमक उठीं। खतरे का आभास न हो पाने के कारण, वामन, चंडिका की तरह आंखें मूंद नहीं सका।
बेहोश से हो रहे ध्रुव की आंखें पहले से ही बंद थीं।
और पलभर में - वामन की आंखें पथरा कर फैल गईं।

अब तुम बाहर निकल कर 'माइक्रो डिस्क' मेरे हवाले कर दो, बौना वामन।
सम्मोहित बौना वामन ने किसी आज्ञाकारी बच्चे की तरह चंडिका की आज्ञा का पालन किया।
और फिर—
तुम्हारे दिमाग का तो मैं लोहा मान गया, चंडिका! तुमने जिस तरीके से वामन को पकड़ा, उसकी जितनी तारीफ की जाए, कम है!
अगर तुम न होतीं, तो आज हमारे देश की सुरक्षा बिक गई होती।
और उधर जेल में —
वह दिन जरूर आएगा!
नहीं, ध्रुव! वामन को पकड़ने में हम सबने अपना सहयोग दिया है!
वामन मेरे कारण नहीं, बल्कि हमारी एकता की शक्ति के कारण पकड़ा गया है।
और इस शक्ति को पूरी दुनिया भी मिल कर हरा नहीं सकती।
...और वह दिन ध्रुव और उसके साथियों की जिंदगी का आखिरी दिन भी होगा।
समाप्त